समझौता ज्ञापन (MOU)

2023-24

गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

कर्वी, चित्रकूट (उ0प्र0)

एवं

शोध धारा

SHODH DHARA

शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान,

उरई, जालौन (उ0प्र0)

के मध्य

प्राचार्य
गो0 तु0 राजकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, कर्वी (चित्रकूट)

Scanned with OKEN Scanner

यह समझौता–ज्ञापन गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0 एवं शोध धारा, शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई, जिला जालौन, उ0प्र0 के मध्य संयुक्त रूप से हस्ताक्षरित होकर दिनांक 04/11/2023 से प्रभावी होगा। यह समझौता–ज्ञापन पूर्णतः वित्तरहित होगा।

गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0

परिचय–

गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0 की स्थापना जुलाई, 1988 ई0 में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा की गई। इस महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर शिक्षण सन् 1988 ई0 से प्रारम्भ हो गया था तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं के संचालन की व्यवस्था सन् 2013 में की गई। महाविद्यालय में वर्तमान में स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान तथा वाणिज्य संकाय और परास्नातक स्तर पर हिन्दी, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान तथा अर्थशास्त्र की कक्षाएं संचालित हैं। महाविद्यालय बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय से स्थायी सम्बद्धता प्राप्त है तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से भी 2F & 12B योजनान्तर्गत आच्छादित है। महाविद्यालय बुन्देलखण्ड क्षेत्र में उच्च शिक्षा के अग्रणी केन्द्र के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

दृष्टि एवं उद्देश्य–

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में महाविद्यालय बुन्देलखण्ड के चित्रकूट जैसे आकांक्षी जनपद में अवस्थित होने के कारण यहां के विद्यार्थियों के मध्य उच्च शिक्षा का लोकप्रिय केन्द्र है जो कि उच्च शिक्षा के माध्यम से सृजन और रोजगार के अपार अवसर और अनंत संभावनाओं की राह प्रशस्त करता है। तथा युवाओं के भविष्य को संवारने के सतत् प्रयत्नशील है। महाविद्यालय अपनी अभिरूचि के अनुरूप छात्रों को शोध, शिक्षण, कौशल विकास आदि अनेक क्षेत्रों में नवीन प्रदेय हेतु योग्य बनाता है। विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों के सहारे विद्यार्थियों में विवेक, कौशल और ज्ञान के सहारे स्वावलम्बी एवं आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें योग्य नागरिक के रूप में भावी राष्ट्र निर्माण में सहायक बनाना महाविद्यालय का मूल उद्देश्य है।

प्राचार्य
गो0 तु0 राजकीय स्नातकोत्तर
महा0 कर्वी (चित्रकूट)

Scanned with OKEN Scanner

शोध धारा, शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई (जालौन), (उ०प्र०)

परिचय –

शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई (जालौन) उ०प्र० एक पंजीकृत (पंजीकरण सं० 1–जे 17665) गैर सरकारी संस्था है। इसका गठन फरवरी 2005 में हुआ। यह संस्था कला एवं मानविकी के क्षेत्र में संपन्न होने वाली गतिविधियों को प्रोत्साहन देने हेतु गठित की गई है। प्रारंभ में यह जर्नल छमाही आधार पर प्रकाशित होता था, जो RNI द्वारा पंजीकृत था।

वर्ष 2008 से यह जर्नल त्रैमासिक आधार पर प्रकाशित हो रहा है, जिसे वर्ष 2012 में RNI द्वारा स्थायी पंजीकरण संख्या UP BILL/2012/43696 प्रदान किया गया। शोध धारा का ISSN पंजीकरण न० 0975–3664 है। वर्ष 2017 से यह जर्नल UGC CARE Listed (41382) होने के साथ वर्ष 2005 से अद्यतन अनवरत् रुप से प्रकाशित हो रहा है।

<u>समझौता ज्ञापन की संकल्पना एवं कार्य–पद्धति–</u>

1. यह समझौता–ज्ञापन पूर्णतः वित्तरहित होगा।
2. गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0 एवं शोध धारा, शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई, जिला जालौन, उ0प्र0 के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं पाठ्येत्तर गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा, जिनमें प्रतिभाग करके महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभा का विकास हो सकेगा।
3. गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0 एवं शोध धारा, शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई, जिला जालौन, उ0प्र0 एवं अनेक महत्वपूर्ण साहित्यिक तथा समसामयिक विषयों पर ऑनलाइन/ऑफलाइन संगोष्ठी व कार्यशाला का संयुक्त रूप से आयोजन करेंगे, जिससे महाविद्यालय के शिक्षक व छात्र–छात्राएं ज्ञान के नूतन आयाम को समझने में समर्थ हो सकें।
4. गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0 एवं शोध धारा, शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई, जिला जालौन,

प्राचार्य
गो0 तु0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी (चित्रकूट)

1075, ... (जालौन) - 285 001 (U.P.)

Scanned with OKEN Scanner

उ0प्र0 के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके छात्र–छात्राओं को बहुविषयक/बहुअनुशासनिक अध्ययन हेतु प्रेरित किया जायेगा।

5. गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0 एवं शोध धारा, शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई, जिला जालौन, उ0प्र0 शोध के क्षेत्र में नवाचार करते हुये संयुक्त रूप से कार्य करेंगे।

गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0 की भूमिका

- गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0 एवं शोध धारा, शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई, जिला जालौन, उ0प्र0 भविष्य में संयुक्त शोध–फोरम बनाकर गुणवत्तापरक शोध–कार्य करने की दिशा में अग्रसर हो सकते है।
- गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0 एवं शोध धारा, शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई, जिला जालौन, उ0प्र0 के संयुक्त तत्वावधान में अन्य भारतीय तथा विदेशी विद्वानों की व्याख्यानमाला का आयोजन किया जायेगा। इसमें विद्यार्थी एवं शिक्षक भारतीय व विदेशी साहित्य, संस्कृति तथा सामाजिक परम्पराओं एवं नवाचार से परिचित हो सकेंगे।
- गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0 एवं शोध धारा, शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई, जिला जालौन, उ0प्र0 के संयुक्त तत्वावधान में लोक–संस्कृति एवं भारतीय संस्कृति के मर्मज्ञ विद्वानों द्वारा व्याख्यानमाला का आयोजन किया जायेगा, जिससे विद्यार्थी एवं शिक्षक अपनी गौरवशाली सभ्यता व संस्कृति से पूर्णरूपेण परिचित हो सकेंगे।

शोध धारा, शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई (जालौन) की भूमिका–

- शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई, महाविद्यालय के शिक्षकों/शोधार्थियों के गुणवत्तापूर्ण शोध–पत्रों का प्रकाशन करेगा।
- शोध धारा के पूर्व में प्रकाशित अंकों को शोधार्थियों के अध्ययन हेतु महाविद्यालय को उपलब्ध कराया जायेगा।

प्राचार्य
गो0 तु0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी (चित्रकूट)

Scanned with OKEN Scanner

समझौता–ज्ञापन की समाप्ति – गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0 एवं शोध धारा, शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई, जिला जालौन, उ0प्र0 में से किसी भी संस्थान द्वारा तीन महीने की पूर्व नोटिस देकर इस समझौता –ज्ञापन को समाप्त किया जा सकता है।

समझौता–ज्ञापन में सुधार–समझौता ज्ञापन में किसी भी सुधार के लिये दोनों पक्ष आपस में विचार–विमर्श करके सुधार के बिन्दु पर लिखित रूप में सहमति प्रदान करेंगे।

समझौता-ज्ञापन की अवधि – यह समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से पांच शैक्षणिक सत्रों के लिए वैध होगा। जब तक कि इसे लिखित रूप में नवीनीकृत या विस्तारित न किया जाए। अनुबंध की निर्दिष्ट अवधि समाप्त होने पर अनुबंध स्वतः ही समाप्त हो जाएगा।

प्रथम पक्ष

प्रो0 (डॉ0) विनय कुमार चौधरी
प्राचार्य
गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट (उ0प्र0)

द्वितीय पक्ष

प्रो0 (डॉ0) राजेश चन्द्र पाण्डेय
सम्पादक/सचिव
शोध धारा, शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई, जालौन (उ0प्र0)

साक्षी

1. हस्ताक्षरः
   नाम : डॉ० राजेश कुमार पाल
   पदनाम एवं पताः आसि० प्रो० समाजशास्त्र गो० तु० राज० महा० कर्वी, चित्रकूट
2. हस्ताक्षरः
   नाम : डॉ० नीरज गुप्ता
   पदनाम एवं पताः सहा० प्राध्यापक गोस्वामी तुलसीदास राज० स्ना० महा०, कर्वी, चित्रकूट

साक्षी

1. हस्ताक्षरः
   नाम : Dr. Heeraj Kr. Dwivedi
   पदनाम एवं पताः Assit. Prof., Hindi Dept. D.V. College, Orai
2. हस्ताक्षरः
   नाम : डॉ० अमर कुमार त्रिपाठी
   पदनाम एवं पताः असि० प्रो० हिन्दी विभाग डी० वी० कॉलेज, उरई

Scanned with OKEN Scanner